संदेह है कि इन लेन देनों के साथ कई व्यक्तियों का सम्बन्ध है और पूछताछ अभी भी चल रही है ।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) यह ठीक ठीक नहीं बताया जा सकता कि जांच पड़ताल पूरी होने में कितना समय लगने की संभावना है । यह अवश्य है कि जांच पड़ताल को जल्दी ही पूरा करने की पूरी कोशिश की जा रही है ।

वेयर हाऊसमैन के कर्त्तव्य

7895. श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जि० ब० सिंह :
श्री ना० स्व० शर्मा :

क्या निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी मुद्रणालयों में काम करने वाले वेअरहाऊसमैनों की ड्यूटी क्या होती है ;

(ख) क्या यह सच है कि उनको नियुक्त करते समय उनकी बाइंडरी की परीक्षा ली जाती है परन्तु वास्तव में इस समय उन्हें मजदूर का काम सौंपा गया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या उन्हें असिस्टेंट बाइंडर मानने का सरकार का विचार है ;

(घ) यदि नहीं, तो इस के क्या कारण हैं ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि प्रथम वेतन आयोग ने उन्हें तीसरी श्रेणी मे शामिल करने की सिफ़ारिश की थी परन्तु उन्हें चौथी श्रेणी में रखा गया है ; और

(च) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण आवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री इकबाल सिंह) : (क) भारत सरकार के मुद्रणालयों मे वेयर हाउसमैनों की ड्यूटी निम्नांकित है :—

हाथ से तह करना (हैन्ड फोल्डिंग), इकट्ठा करना (गैदरिंग), विद्ध करना (स्टैचिंग), सिलाई करना (स्टिचिंग), आच्छादन (कवरिंग), लिफ़ाफ़े बनाना तथा जिल्दसाज़ी में इसी प्रकार के साधारण कार्य ।

(ख) जी नहीं । उनसे केवल वेयर-हाउसमैनों के लिए निर्धारित परीक्षा ही ली जाती है ।

(ग) और (घ). प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ङ) जी नहीं ।

(च) प्रश्न ही नहीं उठता ।

भारत सरकार के मुद्रणालयों के 'मशीन इंकर' के कर्त्तव्य

7896. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जि० ब० सिंह :
श्री ना० स्व० शर्मा :

क्या निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार के मुद्रणालय में 'मशीन इंकर' को क्या-क्या काम करना पड़ता है ;

(ख) क्या यह सच है कि 'मशीन इंकर' को मशीन मैन द्वारा किये जाने वाले सभी काम करने पड़ते हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन्टरव्यू के समय 'मशीन इंकर' को सारी मशीनरी की जानकारी रखने के बारे में, जो कि 'पेपर फ़ीडर' का काम है, एक परीक्षा में बैठना पड़ता है ; और